कोषकरपा और बनवारी के बीच उमर नदी पर पुल नहीं होने से स्कूली बच्चों सहित ग्रामीण परेशान

गाडरवारा। क्षेत्र मे उमर नदी इन दिनों ग्रामीणों के लिए संकट का सबब बनी हुई है। कोषकरपा और बनवारी गांवों के बीच बहने वाली इस नदी पर स्थायी पुल न होने से हर साल बारिश के मौसम में ग्रामीणों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । बरसात के दौरान उमर नदी उफान पर होती है, जिससे स्कूली बच्चों का आना-जाना लगभग असंभव हो जाता है। बच्चे अपनी पढ़ाई के लिए नदी पार करने में जान जोखिम में डालते हैं। अभिभावक हर दिन बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। यह स्थिति बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही है, क्योंकि

नियमित रूप से विद्यालय नहीं पहुँच पाने से उनकी पढ़ाई बाधित होती है। केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि किसानों और आम नागरिकों का जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। पास के नगर साईं खेड़ा पहुँचने के लिए लंबा चक्कर काटना पड़ता है। आकस्मिक परिस्थितियों में तो हालात और भी विकट हो जाते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि शासन-प्रशासन को वर्षों से यहा पर पुल बनाने हेतु आवेदन दिए पर ज़मीनी स्तर पर कार्य न होने से समस्याएँ जस की तस बनी हुई हैं,आखिर कब तक ग्रामीण कागजी योजनाओं और खोखले वादों का बोझ उठाते रहेंगे। ग्रामीणों ने शासन से जल्द से जल्द स्थायी पुल बनाने की माँग की है, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके और किसानों तथा आम नागरिकों के जीवन में राहत पहुँच सके।

जर्जर शाला भवन में बैठ रहे बच्चे, अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं

साईखेड़ा। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहरागांव का प्राथमिक शाला भवन पूरी तरह से जर्जर हो गया है। पंचायत प्रतिनिधि समेत ग्रामीण यहां अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं कर रहे हैं। शाला भवन को नए सिरे से बनाने की वे लंबे समय मांग कर रहे हैं। एक बार फिर सरपंच माया विश्वकर्मा ने शाला भवन की वर्तमान स्थिति पर केंद्रित फोटोग्राफ्स के साथ कलेक्टर को समस्या से अवगत कराया है। सरपंच माया विश्वकर्मा द्वारा सौंपे आवेदन में बताया गया है कि

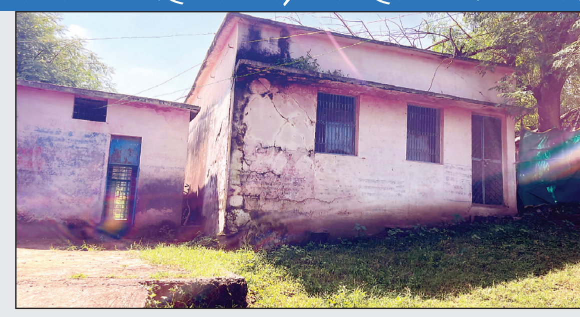

मेहरागांव स्थित कक्षा एक से पांचवीं तक संचालित प्राथमिक शाला बाजार पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। अभी बारिश में छत से पानी टपकता है। छप्पर भी गिरने लगी है। फर्श में भी टूट-फूट गई है। जिसका झुकाव रोड की तरफ हो गया है। ये दीवार और कमरे की इमारत कभी भी गिर सकती है। जिसमें अभी कक्षाएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि किसी दिन बड़ी दुर्घटना न हो, इसलिए निवेदन है कि इस भवन को तोड़ने की अनुमति प्रदान कर यहां पर नया स्कूल भवन निर्मित किया जाए। सरपंच ने बताया कि इस मामले में वे कई बार शिक्षा विभाग से भी निवेदन कर चुकी हैं, लेकिन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। हालांकि स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने जरूर नए भवन निर्माण के लिए आश्वासन दिया है। कलेक्टर से मांग की गई है कि वे बच्चों की सुरक्षा के हितार्थ जल्द कार्रवाई करने की कृपा करें।

असलियत — सड़क पर निकले गड्डों में भैसें लोरकर महसूस कर रही ठंडाई का अहसास

गाडरवारा क्षेत्र में हुये विकास की सच्चाई

> सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास के लिये पैसा पानी की तरह बहाया

नरसिंहपुर/ गाडरवारा। निश्चित तौर से जब भी क्षेत्र में किसी बड़े नेताओं का आगमन होता है तो उनके द्वारा मंचों के माध्यम से यह बात कहते हुये सुना जाता है कि सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास के लिये पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है और सरकार के प्रसास है कि क्षेत्र का ऐसा कोई गांव शेष न बचे तहां पर पक्की सड़क का आभाव रहे। गांवों से लेकर संपूर्ण प्रदेश के विकास को लेकर सरकार द्वारा हर वर्ष अपना खचाना खाली करने में कोई कसर नही छोड़ रही है।

तो दूसरी ओर कुछ वर्ष पहले नेताओं द्वारा हमारे प्रदेश की सड़को की उपमा अमरीका की सड़को से करने में भी कसर नही छोड़ी गई थी। वैसे भी देखा जावे तो इन नेताओं की बातों से इंकार इसलिये नही किया जा सकता है क्योंकि क्षेत्र की सड़को का विकास कागजों पर तो चलते हुये सरकार धन खर्च हो रहा है और इसी का परिणाम है कि शायद सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास की

गंगा बहाने के बाद अब उन मूक पशुओं के प्रति इस तरह की सोच बनाई गई होगी कि जब यह मवेशी तेज धूप के बीच खेतों में आहार ग्रहण करते है तो निश्चित ही वह सूरज की तपन से बेहाल होने से नही बच सकते है। शायद उन्हें ही ठंडक पहुंचाने के लिये कोई नही योजना शुरू कर डाली हो। क्योंकि सरकार द्वारा चलाये जाने वाली योजना को आम जनता तक जानकारी जब पहुंच पाती है जब तक योजना समाप्त हो चुकी होती है। इस तरह विकास वादी सरकार की सच्चाई की पोल निश्चित तौर यह तस्वीर खोलने से नही चूक पायेगी। बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक गांवों की सड़को का हाल इस तरह हो चुका है कि उस पर वाहन चलने की बात तो दूर पैदल चलना मुश्किल होने लगा है और हाल इस तरह बना हुआ है कि सड़क पर निकलते हुये गड्डों में अब भैसो लोरकर सूरज की तपन में ठंडाई का अहसास करने से नही चूक रही है। जिस तरह लोगों को एक कहावत करते हुये सुना होगा कि अब तो गई भैंस पानी में इसी तरह क्षेत्र के विकास की सच्चाई की असलियत भी अब गई भैंस पानी में जाते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है।

नगर परिषद सालीचौका की सड़कों का हाल बेहाल

सालीचौका। सूरज वर्मा नगर परिषद सालीचौका की सड़कों की स्थिति दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। मुख्य मार्ग से लेकर गली-मोहल्लों तक हर जगह गड्डों से भरी टूटी-फूटी सड़कें नगर की तस्वीर बिगाड़ रही हैं। बारिश के दिनों में इन गड्डों में पानी भर जाने से स्थिति और भी विकट हो जाती है। वाहन चालकों को आए दिन दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है, वहीं पैदल चलने वालों को भी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कई बार लिखित एवं मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। हालत यह है कि अब नागरिकों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

नागरिकों की परेशानी

स्कूल जाने वाले बच्चों को कीचड़ व पानी से होकर गुजरना पड़ता है। व्यापारी वर्ग को आवागमन में कठिनाई आ रही है जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा

है। बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है वार्ड क्रमांक 5 के निवासी रामस्वरूप पटेल ने बताया, बरसात में सड़कों पर बने गड्ढे तालाब का रूप ले लेते हैं। कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन पूरी तरह मौन है। वहीं वार्ड क्रमांक 8 की गृहिणी ममता बाई ने कहा, गली में सड़क न होने से बच्चों को स्कूल छोड़ने जाना सबसे बड़ी परेशानी है। हम हर बार जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाते हैं पर सुनवाई नहीं होती।

आंदोलन की चेतावनी

नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क मरम्मत का काम शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

धड़ल्ले से चल रहा कबाड़ का अवैध कारोबार

गोटेगांव। स्थानीय तहसील क्षेत्र में लाखों के कबाड़े के कारोबार पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं है। हर दूसरे दिन कबाडी के यहां से रातों रात ट्रक भरकर कबाड़ जबलपुर, भोपाल जा रहा है। धड़ल्ले से कबाड़ का कारोबार फल-फूल रहा है। अवैध कारोबार में बड़े-बड़े कबाड़ के कारोबारीयों द्वारा छोटे छोटे नाबालिक मासूम बच्चों को झोंक रहे हैं। जिससे नौनिहालों का भविष्य चौपट हो रहा है। और उनका आगे आने वाला भविष्य को बर्बादी की ओर ढकेल रहे हैं ! आमजनों ने भी इन कबाड़खानो को बंद कराने की मांग की है। प्रशासन की अनदेखी के कारण क्षेत्र में कबाड़ व्यापारी खुलेआम कबाड़ का धड़ल्ले से व्यापार कर रहे हैं। इन दिनों कावाड़ियों का अवैध कारोबार बेखौफ चल रहा है। इस व्यवसाय को करने के लिए मानों किसी की भी अनुमति की आवश्यकता ही नहीं होती है। इसलिए क्षेत्र में ऐसे दर्जनों कबाड़ व्यवसाई हैं। जो बेरोकटोक होकर अपना कारोबार कर रहे हैं। अनैतिक गतिविधियों में शामिल कबाड़ी बताया जाता है कि कबाड़ी बिना सत्यापन के साइकिल मोटरसाइकिल, चार पहिया वाहन के साथ-साथ अन्य चोरी के सामानों को भी बेधड़क खरीद रहे हैं। कई कबाड़ी जिले में रेलवे आदि के लोहे भी खपाने का काम कर रहे हैं। इस व्यवसाय में जिले से बाहर कबाड़ बड़े आसानी से पार किया जा रहा है और इस व्यवसाय को बढ़ावा मिल रहा है। आलम यह है कि कबाड़ियों के ऊपर नकेल नहीं कस पा रहे है। साइकिल और बाइक के कलपुर्जे को अलग अलग कर

कबाड़ में बेच दिया जाता है इसके अलावा इस धंधे में लोहे के कीमती सामान तांबा, पीतल, लोहा जैसे कीमती सामान कबाड़ के मोल कबाड़ी अपने दलालों के माध्यम से खरीदी कर लाखों करोड़ों कमाते हैं। छोटे-छोटे बच्चों का भी भविष्य अंधकार में इस धंधे में बच्चों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। कई मामलों में ऐसा भी देखने आया है कि कबाड़ीयों द्वारा मासूम नाबालिक बच्चों से कबाड़ का माल खरीदने का कार्य कर रहे हैं जिससे मासूमों की बचपन से ही पढ़ाई लिखाई छोड़कर कबाड़ इकट्ठा कर बीनने में लगा रहे हैं। सर्व शिक्षा अभियान के तहत सरकार बच्चों को मुफ्त शिक्षा, मध्यान्ह भोजन, ड्रेस, छात्रवृत्ति, पुस्तके सहित सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। पैसे के लालच में बच्चे कबाड़ के काम में कर देते हैं। लग आते हैं जिससे मिलने वाले पैसों से गंदी आदतों का शिकार हो रहे हैं एवं उनका भविष्य भी कबाड़ हो रहा है। यह किशोर गरीब तबके के होते हैं. पारिवारिक व सामाजिक मार्गदर्शन नहीं मिलने से वे घरों में के आसपास के फेंके गए कचरे से कबाड़ चुनते हैं। और बाद में इन बच्चों का परिवारिक नियंत्रण नहीं होने के कारण नशे की अन्य भी गिरफ्त में आ जाते हैं और धीरे- धीरे वह चोरी को भी अंजाम देना शुरू अपनी आवश्यकता पूर्ति के लिए अक्सर यह बच्चे चोरी जैसे अपराध में लिप्त हो जाते हैं। जिससे क्षेत्र में चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही है, नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है जो अवैध तरीके से चल रहे धड़ल्ले से बेरोक -टोक यह कबाड़ के कारोबार पर ठोस कार्यवाही के साथ-साथ क्षेत्र में बढ़ रही लगातार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

एक नजर में

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, दो घायल

नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमे बगासपुर गांव के पास छिरारू गांव से गोटेगांव अस्पताल आ रहे एक दंपति और उनके साथ चल रहे युवक की मोटरसाइकिल सामने से आ रही पिकअप से टकरा गई। हादसे में मोटरसाइकिल चला रहे उदयराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गईए जबकि राहुल यादव और उनकी पत्नी सीमा यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।

धूमा थाना क्षेत्र के छिरारू गांव निवासी राहुल यादवए उनकी पत्नी सीमा यादव जो गर्भवती हैंए और उदयराज पटेल मोटर साइकिल से चेकअप कराने गोटेगांव सरकारी अस्पताल आ रहे थे। तभी सामने से नियंत्रण खो बैठी पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में उदयराज पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गईए जबकि राहुल यादव का बायां हाथ बुरी तरह से फ्रैक्चर हो गया और सीमा यादव का भी बायां हाथ टूट गया। पिकअप वाहन उमरिया निवासी किसी गोपाल पटेल का बताया जा रहा है। घटना के बाद घायलों को तुरंत गोटेगांव अस्पताल लाया गयाए जहां डॉण् डंडोतिया और डॉ. बिंसी मेडरेई ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें जबलपुर रेफर कर दिया। जहाँ इलाज के दौरान राहुल की भी मौत हो गईए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दिव्यांग शिविर में 45 छात्र-छात्राओं का परीक्षण

करेली। विगत दिवस 16 सितंबर को स्थानीय सिविल अस्पताल करेली में दिव्यांग प्रमाण पत्र यूडीआईडी बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया जिसमें करेली विकासखंड के 45 छात्र.छात्राओं का परीक्षण किया गया। शिविर विकासखंड के सभी छात्र.छात्राएं शामिल जिनमें 45 में 6 छात्र नेत्र संबंधी समस्या थे जिन्हें विक्टोरिया अस्पताल के लिए परीक्षण के लिए कहा गया। शिविर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद वर्माए विकासखंड स्रोत समन्वयक प्रवेंद्र जाटएजन शिक्षक दुलीचंद नोरिया ए राजेश नामदेवएराघवेंद्र गुप्ताएनितिन नारोलियाएकिशन पुरीएहरीश अवस्थीएसौरभ गुप्ता एवं रंजीत रजक की सहभागिता रही।

नई उड़ान: कवि विकास बैरागी ने नरसिंहपुर का नाम रोशन किया

नरसिंहपुर। भगवान नरसिंह की पावन नगरी नरसिंहपुर के युवा कवि विकास बैरागी गुरु ने अपनी असाधारण काव्य प्रतिभा से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक छोटे शहर से निकलकर उन्होंने मध्य प्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तराखंड, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों में अपनी कला का लोहा मनवाया है, जिससे नरसिंहपुर का गौरव और भी बढ़ गया है।

मंच से दूरदर्शन तक का शानदार सफर

विकास बैरागी अपनी जन्मभूमि नरसिंहपुर पर गर्व करते हैं। वे अपनी कविता पाठ की शुरुआत से पहले मंच पर हमेशा भगवान नरसिंह के जयकारे लगवाकर अपनी जड़ों के प्रति गहरा सम्मान दर्शाते हैं। उन्होंने अपने हुनर के दम पर प्रख्यात अभिनेता और साहित्यकार शैलेश लोढ़ा द्वारा

संचालित लोकप्रिय टीवी शो वाह भाई वाह में भी अपनी कविताओं का पाठ किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। उनकी कविताएं इतनी लोकप्रिय हुईं कि उनके वीडियो दूरदर्शन पर भी लाइव प्रसारित हो चुके हैं।

लाखों प्रशंसकों का असीम प्यार

कवि विकास बैरागी ने अपनी कविताएं सुनाने के लिए छत्तीसगढ़ के शिवरीनारायण, कोरबा, बिहार के पटना, मध्य प्रदेश के इंदौर और उत्तर प्रदेश के मथुरा, हाथरस जैसे कई शहरों का दौरा किया है। आज उनके वीडियो को लाखों लोग प्रतिदिन देखते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इंस्टाग्राम पर उनके 2 लाख 63 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं, जो रोज़ाना उनकी कविताओं को सुनते हैं और उन्हें बेहद पसंद करते हैं।

छंद में हास्य रस की पैरोडी अधिक लिखते हैं

विकास बैरागी की कविताओं की सबसे खास बात यह है कि वे घनक्षारी छंद में हास्य रस की पैरोडी अधिक लिखते हैं। वे अपनी सभी कविताएं खुद ही लिखते हैं। अब तक वे 537 से अधिक कविताओं का लेखन कर चुके हैं। अपनी सफलता के सफर के बारे में उन्होंने बताया कि वे बहुत जल्द ही अपनी कविताओं की एक पुस्तक भी प्रकाशित करेंगे। उनकी यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या साधन की मोहताज नहीं होती।

कुलदीप शर्मा हुए सम्मानित

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस विलगुंवा स्थित वंशिका शुगर मिल में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें गन्ना विशेषज्ञों द्वारा गन्ना फसल का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आवश्यक तौर तरीके बोवनी से लेकर कटाई और समय-समय पर गुढाई की विधि बताई। मिल में उपस्थित संचालक पूर्व विधायक संजय शर्मा के द्वारा कृषकों की तकलीफों को दूर करने उन्हें हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया गया इस मौके पर अधिक गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया गया जिसमें बंधी निवासी कुलदीप शर्मा को सर्वाधिक गन्ना उत्पादन कृषक के रुप में सम्मानित किया गया।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ

साईंखेड़ा। नगर में स्वच्छता और नशा मुक्ति अभियान का कार्यक्रम हुआ आयोजित 2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान रैली निकाल कर किया नगर को स्वच्छ रखने का आवाहन स्वच्छता सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। पालिकाध्यक्ष स्वाति सचिन अग्रवाल ने कहा कि नगर की स्वच्छता सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अभियान में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत नगर परिषद साइखेड़ा से शुरू होकर नगर बीचों-बीच कार्यक्रम संबोधित करते हुए शहीद स्मारक पहुंची जहां पर साफ सफाई एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया और वृक्षों को संरक्षण करने का संकल्प लिया गया कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष स्वाती सचिन अग्रवाल मुख्य नगर पालिका अधिकारी जेपी रजक अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल एवं वरिष्ठ नेता गण भगत दास जी महंत आशीष तिवारी राजेंद्र ठाकुर कमल सोनी मंडल अध्यक्ष दिग्विजय सिंह राजपूत धर्मपाल सिंह तोमर चंद्रशेखर अग्रवाल लोकेश अग्रवाल ओमप्रकाश पटेल शिक्षक हल्के वीर पटेल एवं सभी पार्षद गण और नगर परिषद कर्मचारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सत्संग से ही हो पाते हैं हरिदर्शन, कथा सुनने के लिए उमड़ा जनसैलाब

तेंदूखेड़ा। यदि हमें मनुष्य रुपी यह जीवन मिला है तो हमें इंसान बनने की जरूरत है।एक दिन सब का मरण सुनिश्चित है इसलिए अपने धर्म और कर्म से महान बनना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने सत्कर्मों में संलग्न रहते हुए कथा कीर्तन भजन और सत्संग में समय जरुर देना चाहिए। क्योंकि सत्संग से ही हरिदर्शन हो जाते हैं।उक्ताशय के अमृत वचन तेंदूखेड़ा के चौधरी गार्डन परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान कथा व्यास पं विपिन बिहारी जी महाराज ने चौथे दिन की कथा में श्रृष्टि की उत्पत्ति ब्रह्मा विष्णु की उत्पत्ति से लेकर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर श्रृष्टि के रचनाकार भगवान विश्वकर्मा की कथा तथा वृक्षों में देवताओं के वास अंगरा ऋषि का दृष्टांत मृत व्यक्ति की चिता पर तुलसी कमर के ऊपरी भाग पर चढ़ाने शिव पूजन में सिर पर कपड़ा नहीं रखने केतकी पुष्प को श्रापित मंडप के नीचे खांम उखाड़ने का बड़े ही सुन्दर भाव से वर्णन करते हुए स्पष्ट किया कि वृद्ध व्यक्ति को हमेशा जहां भी कथा कीर्तन भजन सत्संग होता है वहां अवश्य जाना चाहिए।साधु संतों को केवल भगवान की भक्ति समाज को सही दिशा देने के साथ कभी भी संपत्ति की तरफ नहीं जाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर जरुर जाना चाहिए उनकी चौखट पर जाकर अपने अपराधों की क्षमा मांगने के साथ उनकी भक्ति में मन रम जाये यह मांगना चाहिए।

बड़ों के प्रति सम्मान

कभी जाने अनजाने में गलती हो जाने के बाद यदि क्षमा मांग लेते हैं तो हमारे अपराध क्षम्य हो जाते हैं। अपने बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करें हमारी मातृभाषा संस्कृति के प्रति प्रेरित करें बड़ों के प्रति सम्मान और भगवान का नाम लेकर अभिवादन की परम्परा डालें टाटा वायवाय हलो हाय से दूर रखें। बेटियों को चाहिए कि वह दो कुलों की लाज रखती है उसे कभी भी कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जो समाज विरोधी नियम विरुद्ध हो।अपनी मान प्रतिष्ठा का पूरा ख्याल रखना चाहिए। सूर्पनखा नहीं सीता बनें। कथा श्रवण करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता पहुंच रहें हैं। कथा परिसर छोटा पड़ने लगा है श्रोता अपने निजी साधनों से बड़ी संख्या में पहुंच रहें हैं। कथा विश्राम के पूर्व भगवान के 24 वें अवतार को धूमधाम से मनाया ।

सत्य का अनुशरण करने वाले एवं विनयशील जन सबके प्रिय होते हैं :सिद्धांतमति

तेंदूखेड़ा। संत शिरोमणि आचार्य भगवान श्री विद्यासागर महा मुनिराज की परम शिष्या एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज की आज्ञा से 105 आर्यिका सिद्धांतमति माताजी 105 आर्यिका पुनीत मति माताजी 105 आर्यिका विनय मति माताजी का पावन वर्षायोग तेंदूखेड़ा जैन मंदिर प्रांगण में धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है। प्रतिदिन प्रात: काल जिनेंद्र देव की पूजन अर्चन के साथ-साथ प्राचीन आचार्य प्रणीत ग्रंथों स्वाध्याय भी अनवरत रुप से चल रहा है। जिसके माध्यम से श्रावक श्राविकायें ज्ञान की गंगा में अवगाहन करते हुए लाभ उठा रहे हैं। प्रतिदिन प्रात 8-30 बजे से राजर्षि अमोघ वर्ष द्वारा रचित प्रश्नोत्तर रत्न मालिका का स्वाध्याय माता जी के मुखारविंद से चल रहा है । स्वाध्याय के अंतर्गत माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मरण क्या है? इसका उत्तर देते हुए प्रश्नउत्तर मलिक में बताया गया कि केवल प्राणों का शरीर से निकल जाना ही मरण नहीं है बल्कि हमारे अंदर जो अज्ञानता है मूर्खता है वह भी मरण के ही समान है। सबसे मूल्यवान क्या है? जो आवश्यकता जरूरत के समय दिया जाता है वह सबसे मूल्यवान है जैसे एक व्यक्ति जो प्यास से व्याकुल है उसको उस समय पानी पिला देना उसके लिए सबसे मूल्यवान वस्तु है।